वर्ष-11 | अंक-31 | भोपाल, 23 मार्च से 29 मार्च 2026 तक | पृष्ठ-12 | RNI NO. MPHIN/2015/63623

साप्ताहिक

न्यूज क्राइम फाइल

मूल्य- 02 रूपयें

ग्वालियर, भिंड, मुरैना, छतरपुर, सागर, विदिशा, रायसेन, सिवनी, जबलपुर, रीवा, सतना, होशंगाबाद, हरदा एवं इंदौर में प्रसारित।

देश के दिल और असीम विकास अवसरों के केन्द्र मध्यप्रदेश से जुड़िए : मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश का सिंगल विंडो सिस्टम

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि एक समय था, जब लोग कहते थे कि मध्यप्रदेश में उद्योग टिक ही नहीं सकते, किंतु आज मध्यप्रदेश भारत के सबसे तेजी से विकसित होते राज्यों में से एक है। मध्यप्रदेश की औद्योगिक विकास दर निरंतर बढ़ रही है। हमारी जीडीपी नई ऊँचाइयों को छू रही है। प्रदेश में निवेश की एक नई क्रांति आ रही है। उद्योगों की स्थापना एवं निवेश प्रोत्साहन के लिए हमने 6,104 करोड़ रूपये और इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए 1 लाख करोड़ रूपए का प्रावधान किया है। मध्यप्रदेश का सिंगल विंडो सिस्टम-इन्वेस्ट एमपी 3.0 पोर्टल देश के श्रेष्ठ डिजिटल निवेश प्लेटफॉर्म में गिना जाता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश इंडस्ट्रियल प्रमोशन पॉलिसी 2025 अंतर्गत टेक्सटाइल एवं परिधान क्षेत्र को शामिल कर निवेशकों को आकर्षक इंसेंटिव प्रदान किए जा रहे हैं। अनेक प्रमुख कंपनियाँ मध्यप्रदेश में आ चुकी हैं और निवेश कर रही हैं। मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम जिले में भारत का पहला मैन्युफैक्चरिंग ज़ोन फॉर पॉवर एंड रिन्यूएबल एनर्जी इक्विपमेंट विकसित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि होटल, हॉस्पिटल जैसे सेक्टर्स में बड़े निवेश पर कैपिटल सब्सिडी दी जा रही है।

उदय प्रताप सिंह चौहान

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश और राजस्थान जुड़वा भाइयों की तरह हैं। दोनों राज्य मिलकर विकसित, आत्मनिर्भर और सशक्त भारत तैयार कर रहे हैं। हम सिर्फ विरासतों और विविधताओं के ही नहीं, आर्थिक दृष्टि से भी एक-दूसरे के स्वाभाविक साझेदार हैं। राजस्थान का विकसित टेक्सटाइल, जेम्स-एंड-ज्वेलरी और मध्यप्रदेश की ऑर्गेनिक कॉटन उत्पादन क्षमता, टेक्सटाइल पार्क एवं मज?बूत मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम मिलकर एक सशक्त वैल्यू चैन तैयार कर सकते हैं। मध्यप्रदेश और राजस्थान के बीच पार्वती-कालीसिंध-चंबल राष्ट्रीय नदी जोड़ो परियोजना पर तेजी से काम चल रहा है। ये परियोजना दोनों राज्यों की तस्वीर और तकदीर बदलेगी। लगभग 1 लाख करोड़ रूपए की इस परियोजना में दोनों राज्यों को मात्र 5-5 प्रतिशत राशि देनी होगी। इसकी 90 प्रतिशत लागत भारत सरकार देगी। उन्होंने कहा है कि दोनों राज्यों के बीच रोटी-बेटी का संबंध रहा है और अब पानी का संबंध भी बन गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार को जयपुर में आयोजित %इन्टरेक्टिव सेशन ऑन इन्वेस्टमेंट अपॉर्च्युनिटीज इन मध्यप्रदेश% में राजस्थान के निवेशकों को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दीप प्रज्ज्वलित कर सेशन का शुभारंभ किया। उन्होंने राज्य के सभी निवासियों को हाल ही में मनाए गए राजस्थान राज्य के स्थापना दिवस और अखंड सौभाग्य के लोक-पर्व गणगौर पूजन की बधाई और मंगलकामनाएं दीं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश अभूतपूर्व प्रगति कर रहा है। राज्यों के बीच प्राकृतिक संसाधनों के बंटवारे मधुरता से पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान के व्यापारियों ने देश-दुनिया में व्यापार-व्यवसाय में अपना नाम कमाया है। धन कमाने के लिए मन और बुद्धि चाहिए। राजस्थान के व्यापारियों ने अपनी क्षमता, युक्ति-बुद्धि और योग्यता से अपना लौहा मनवाया है। हम यहां दोनों राज्यों के बीच व्यापार संबंध प्रगाढ़ करने के लिए आए हैं। वर्तमान हालातों में कई तरह की चुनौतियां हैं, साथ ही हमारे पास आगे बढ़ने के स्वर्णिम अवसर भी हैं। कुछ साल पहले तक हमारे निवेशक खाड़ी देशों में निवेश के लिए जा रहे थे, लेकिन अब वहां स्थिति तेजी से बदल गई है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में औद्योगिक क्षेत्र में नियमों-कानूनों का सरलीकरण किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने विभिन्न क्षेत्रों में औद्योगिक निवेश आकर्षित करने के लिए 26 प्रकार की नई नीतियां लागू की हैं। अब स्पेस और एआई सेक्टर के लिए भी हम पॉलिसी लाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश, देश के सरप्लस बिजली स्टेट्स में से एक है। अब हम देश के %ग्रीन, क्लीन एंड सोलर एनर्जी कैपिटल% के रूप में उभर रहे हैं। इलेक्ट्रिसिटी सरप्लस राज्य बनने के बाद अब मध्यप्रदेश की बिजली से दिल्ली में मेट्रो ट्रेन संचालित हो रही है। प्रदेश में लगभग 2 रुपए 90 पैसे प्रति यूनिट दर पर घरेलू बिजली उपलब्ध कराई जा रही है। औद्योगिक विकास के साथ माइनिंग सेक्टर में भी तेज गति से कार्य हो रहे हैं। मेडिकल टूरिज्म के लिए राज्य में मेडिकल कॉलेजों की संख्या तेजी से बढ़ाई जा रही है। पीपीपी मॉडल पर मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल खोलने के लिए 1 रुपए में लीज पर जमीन दी जा रही है। मध्यप्रदेश दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में भी आगे बढ़ रहा है। राज्य में 5 हजार से 50 हजार क्षमता की बड़ी गौशालाएं खोलने के लिए जमीन दी जा रही है। प्रति गौमाता अनुदान भी 20 रुपए से बढ़ाकर 40 रुपए कर दिया गया है। पशुओं की नस्ल सुधार और चिकित्सा के लिए उचित प्रबंध किए गए हैं। राज्य सरकार ने स्कूली बच्चों को निःशुल्क दूध के पैकेट बांटने के लिए योजना की शुरुआत की है। प्रदेश के रीवा में टाइगर सफारी और एयरपोर्ट की सौगात भी मिल चुकी है। राज्य की एविएशन पॉलिसी के अंतर्गत हवाई सेवाएं उपलब्ध कराने वाली कंपनियों को प्रति फ्लाइट 15 लाख वीजीएफ दिया जा रहा है। राज्य के अंदर और राज्य के बाहर भी हेलीकॉप्टर सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए पीएमश्री हेली सर्विस शुरू की गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि म.प्र. ने बिजली के समुचित बंटवारे के लिए उत्तरप्रदेश के साथ एक मॉडल तैयार किया है। मुरैना में प्लांट स्थापित कर 6-6 महीने बिजली उपयोग करने के लिए सहमति बनी है। पीकेसी परियोजना में दोनों राज्यों ने एक-दूसरे की बेहतरी के लिए निर्णय लिया है। सूखे क्षेत्र को पानी मिल जाए, तो लोगों की जिंदगी बदल जाती है। इसीलिए यही समय है, मध्यप्रदेश और राजस्थान देश के साथ आगे बढ़ें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की उद्यमशीलता और मध्यप्रदेश की संसाधन क्षमता मिलकर सेंट्रल इं?डिया को इंडस्ट्रियल पॉवर सेंटर बना सकते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों से अपील करते हुए कहा कि आप देश के दिल, असीम संभावनाओं और विकास अवसरों के केंद्र से जुड़िए, बेहिचक मध्यप्रदेश में निवेश कीजिए। मध्यप्रदेश में बेहतर नीतियां, बेहतर अवसर, बेहतर इन्सेंटिव, बेहतर इकोसिस्टम, बेहतर मार्केट लिंकेज और बेहतर ग्रोथ रेट के साथ आपको हर कदम पर सरकार का फुल सपोर्ट मिलेगा।

आज गढ़ाकोटा में मेला रहस लोकोत्सव का शुभारम्भ मप्र के मुख्यमंत्री माननीय श्री मोहन यादव के मुख्य आतिथ्य में सम्पन्न हुआ ।

गोपाल भार्गव -विधायक रहली, पूर्व मंत्री

भोपाल के हमीदिया में फिर लापरवाही; परिजन का हंगामा, पुलिस बुलानी पड़ी

डॉक्टरों ने मृत बताया, कुछ देर बाद हिलने लगा नवजात

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के हमीदिया अस्पताल में एक बार फिर नवजात को मृत घोषित करने के बाद उसमें हरकत दिखने का मामला सामने आया है, जिससे अस्पताल में विवाद की स्थिति बन गई। शुक्रवार को 6 माह की गर्भवती महिला की इमरजेंसी डिलीवरी के बाद बच्चे को मृत बताया गया, लेकिन कुछ देर बाद धड़कन जैसे संकेत मिलने पर परिजन आक्रोशित हो गए। इससे पहले भी बुधवार को इसी तरह का मामला सामने आ चुका है, जिसमें मृत घोषित बच्ची में सांसें चलने का दावा किया गया था। हमीदिया अस्पताल में परिजनों का देर रात 12 बजे तक हंगामा होता रहा। वहीं डॉक्टरों का कहना है कि यह अत्यंत प्री-मेच्योर एबॉर्टस केस था, जिसमें ऐसी स्थिति संभव होती है।

इमरजेंसी डिलीवरी के बाद नवजात को मृत घोषित किया

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार दोपहर करीब 4 बजे मानताशा नाम की महिला हमीदिया अस्पताल के ब्लॉक-2 में गंभीर हालत में पहुंची। महिला लगभग 6 महीने की गर्भवती थी। अस्पताल पहुंचने के समय ही शिशु का सिर बाहर आ चुका था। स्थिति को देखते हुए डॉक्टरों ने तुरंत लेबर रूम में भर्ती कर इमरजेंसी डिलीवरी कराई। इसके बाद परिजनों को बताया गया कि बच्चा मृत पैदा हुआ है, लेकिन कुछ समय बाद नवजात में हलचल जैसी स्थिति दिखने लगी, जिससे परिजनों में आक्रोश फैल गया और अस्पताल में हंगामा शुरू हो गया।

हंगामे के बाद पुलिस को बुलाना पड़ा

परिजनों के हंगामे को देखते हुए अस्पताल

प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था बढ़ाई और कोहेफिजा टीआई के.जी. शुक्ला को बुलाया गया। पुलिस ने पहुंचकर परिजनों को समझाने का प्रयास किया और स्थिति को नियंत्रित किया। अस्पताल प्रशासन ने तत्काल मामले को शांत कराने की कोशिश की, लेकिन घटना ने एक बार फिर अस्पताल की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। हमीदिया अस्पताल प्रशासन के अनुसार, इस प्रकार की स्थिति अकसर उन मामलों में देखने को मिलती है, जब शिशु का जन्म 6 माह या उससे पहले हो जाता है। इसे मेडिकल भाषा में केस कहा जाता है। ऐसे मामलों में जन्म के बाद कुछ समय के लिए शिशु के शरीर में हलचल दिखाई दे सकती है, लेकिन मेडिकल दृष्टि से उसके जीवित रहने की संभावना कम होती है। मेडिकल परिभाषा के अनुसार, Abortus उस स्थिति को कहा जाता है, जब गर्भ में पल रहा भ्रूण 20 सप्ताह से पहले बाहर आ जाए या उसका वजन 500 ग्राम से कम हो। ऐसे शिशुओं के अंग पूरी तरह विकसित नहीं हो पाते, जिससे उनके जीवित रहने की संभावना बहुत कम रह जाती है। यह स्थिति प्राकृतिक (मिसकैरेज) या मेडिकल कारणों से भी हो सकती है।

मां की जान बचाने कराई गई डिलीवरी

गायनिक विभाग की सीनियर डॉक्टर ने बताया कि हमीदिया अस्पताल में प्रतिदिन लगभग 20 डिलीवरी होती है। हर दूसरे-तीसरे दिन इस प्रकार का एक मामला सामने आता है। शुक्रवार को जन्मे शिशु के फेफड़े पूरी तरह विकसित नहीं थे, जिससे उसके जीवित रहने की संभावना नहीं थी। मेडिकल के अनुसार, यदि उस समय डिलीवरी को टाला जाता तो इससे मां की जान को गंभीर खतरा हो सकता था। इसलिए तत्काल निर्णय लेते हुए ड्यूटी डॉक्टर ने डिलीवरी कराई। उन्होंने यह भी बताया कि ऐसे मामलों में शिशु के शरीर में जो हलचल दिखाई देती है, वह जैविक प्रतिक्रिया होती है, जिसे आमतौर पर जीवित होने के रूप में समझ लिया जाता है।

पोस्टमॉर्टम के सुझाव को परिजनों ने ठुकराया

अस्पताल प्रशासन ने परिजनों की शंकाओं को दूर करने के लिए पोस्टमॉर्टम कराने का सुझाव दिया था, ताकि स्थिति पूरी तरह स्पष्ट हो सके। हालांकि, परिजन इसके लिए तैयार नहीं हुए। इसके बाद अस्पताल प्रशासन ने नियमानुसार शिशु का शव परिजनों को सौंप दिया।

तीन दिन पहले भी सामने आया था ऐसा मामला

हमीदिया अस्पताल में इससे पहले भी इसी तरह का विवाद बुधवार को सामने आया था। उस मामले में एक नवजात को मृत घोषित कर मृत्यु प्रमाण पत्र दे दिया गया था। परिजनों का दावा था कि जब वे करीब चार घंटे बाद एनआईसीयू में शव लेने पहुंचे तो बच्ची में सांसें चल रही थीं। उन्होंने इसका वीडियो भी बनाया, जिसमें नवजात का पेट हिलता नजर आया। इस घटना के बाद भी अस्पताल प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठे थे। अब दोबारा सामने आए मामले ने चिंता और बढ़ा दी है।

पिता को गाली देने से रोकने पर दादा की हत्या: मंडला में झूमाझटकी के दौरान हाथ में पहना कड़ा मारा; 24 घंटे में पकड़ाया

न्यूज क्राइम फाइल

मंडला जिले के हर्राटीकुर गांव में अपने दादा की हत्या करने वाले 21 वर्षीय पोते सुमित कुलस्ते को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी ने शराब के नशे में विवाद के दौरान अपने हाथ में पहने कड़े से हमला कर वृद्ध की जान ले ली थी। पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश किया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

पिता को गाली देने से रोकने पर विवाद

घटना 19 मार्च की रात करीब 9:30 बजे की है। आरोपी सुमित कुलस्ते शराब के नशे में अपने पिता के साथ मोबाइल पर गाली-गलौज कर रहा था। इसी दौरान उसके रिश्ते के दादा मुन्नालाल कुलस्ते वहां पहुंचे और उसे अभद्र भाषा का प्रयोग करने से मना किया। समझाइश से नाराज होकर सुमित ने वृद्ध के साथ झूमाझटकी शुरू कर दी।

कड़े के प्रहार से मौके पर हुई मौत

विवाद के दौरान आरोपी सुमित ने अपने हाथ में पहने भारी कड़े से मुन्नालाल के गुप्तांग पर जोरदार प्रहार कर दिया। चोट इतनी गंभीर थी कि मुन्नालाल ने मौके पर ही दम तोड़

दिया। सूचना मिलने पर टिकरिया पुलिस ने 20 मार्च को हत्या का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की थी।

पुलिस टीम ने 24 घंटे में आरोपी को पकड़ा

थाना प्रभारी प्रदीप कुमार ने बताया कि घटना के बाद पुलिस टीम ने शनिवार को दबिश देकर आरोपी सुमित को गिरफ्तार कर लिया। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक पंकज बिष्ट, सहायक उपनिरीक्षक नारायण ताराम और प्रधान आरक्षक अभिषेक मिश्रा सहित अन्य पुलिसकर्मियों की मुख्य भूमिका रही।

जनसंघ के संस्थापक सदस्य, राष्ट्रऋषि, %भारत रत्न% नानाजी देशमुख की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि।अंत्योदय और ग्रामोदय को जीवन का संकल्प बनाकर उन्होंने सेवा, त्याग एवं राष्ट्र निर्माण की जो अमिट परंपरा स्थापित की वह सदैव हम सबका मार्गदर्शन करती रहेगी।
योगी आदित्यनाथ- मुख्यमंत्री उत्तरप्रदेश

व्हाट्सऐप कॉल कर 10 करोड़ मांगे

भोपाल के सराफा व्यापारी को लॉरेंस गैंग की धमकी

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल के कोलार रोड इलाके में एक कारोबारी को विदेशी नंबरों से कॉल कर 10 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। आरोपी ने खुद को लॉरेंस गैंग से जुड़ा बताते हुए धमकियां दीं। शिकायत के बाद पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बता दें कि एमपी के कारोबारियों को लॉरेंस गैंग से धमकी का यह एक महीने के भीतर यह चौथा मामला है। इसके पहले इंदौर के साउथ तुकोगंज इलाके में रहने वाले रियल एस्टेट कारोबारी संजय जैन को भी लॉरेंस बिश्नोई के नाम से धमकी मिली थी। संजय ने इस मामले की शिकायत क्राइम ब्रांच में दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई शुरू की।

वहीं दो दिन पहले खरगोन जिले में किसान कारोबारी दिलीप सिंह राठौड़ के घर पर फायरिंग की घटना हुई थी। इस फायरिंग की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी। गैंग के मेंबर हैरी बॉक्सर और आरजू बिश्नोई ने सोशल मीडिया पर इसकी पुष्टि की थी। बाइक सवार तीन नकाबपोश बदमाशों ने घर के बाहर गोलियां चलाई थीं, जिसका सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया था।

इसके अलावा करीब एक महीने पहले अशोकनगर में बिल्डर और कारोबारी अंकित अग्रवाल को भी लॉरेंस बिश्नोई गैंग के नाम पर धमकी मिली थी। उनसे 10 करोड़ रुपए की रंगदारी मांगी गई थी और धमकी देने वाले ने

खुद को गैंग का सदस्य 'हैरी बॉक्सर' बताया था। खास बात यह है कि इन सभी मामलों में धमकी देने वाले ने अपना नाम लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े 'हैरी बॉक्सर' के रूप में बताया है।

व्हाट्सऐप कॉल कर मांगे 10 करोड़

पुलिस के अनुसार पार्वती नगर निवासी 42 वर्षीय रियल एस्टेट और सराफा कारोबारी गौरव जैन ने कोलार रोड थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि 18 मार्च की रात करीब 10:30 बजे उनके मोबाइल पर एक अंतरराष्ट्रीय नंबर से व्हाट्सऐप कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को 'हैरी बॉक्सर' बताते हुए कहा कि वह लॉरेंस गैंग से जुड़ा है और गौरव जैन को 10 करोड़ रुपए तैयार रखने होंगे। साथ ही आरोपी ने उन्हें अपने परिचितों से मिल लेने और अपने बारे में इंटरनेट पर जानकारी जुटाने की बात भी कही।

दूसरे कॉल में गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी

शिकायतकर्ता ने पहले कॉल को फर्जी समझकर नजरअंदाज कर दिया था, लेकिन 20 मार्च की सुबह करीब 10:56 बजे दूसरे नंबर से दोबारा कॉल आया। इस बार आरोपी ने सीधे पैसों की मांग दोहराई। इनकार करने पर उसने गाली-गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। आरोपी ने धमकी दी कि रकम नहीं देने पर उसके गुर्गे कहीं भी हमला कर सकते हैं, और अंजाम गंभीर होगा।। पीड़ित के अनुसार, कॉल के बाद व्हाट्सऐप पर लगातार धमकी भरे ऑडियो मैसेज भी भेजे गए, जिनमें रैकी कराने और हथियार से हमला करवाने की बात कही गई। इससे डरे कारोबारी ने पुलिस से सुरक्षा की मांग की है।

ऑडियो और स्क्रीनशॉट के आधार पर जांच शुरू

कोलार थाना प्रभारी संजय सोनी के मुताबिक प्रारंभिक जांच के बाद भारतीय न्याय संहिता की धारा 351(4) के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस अब कॉल डिटेल और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों की पहचान करने में जुटी है। साथ ही भेजे गए ऑडियो और स्क्रीनशॉट को भी जांच में शामिल किया गया है।

इंदौर के कारोबारी से मांगे थे 15 करोड़

इससे पहले इंदौर के साउथ तुकोगंज इलाके में रहने वाले रियल एस्टेट कारोबारी संजय जैन को लॉरेंस बिश्नोई के नाम से धमकी मिली थी। संजय ने मामले में क्राइम ब्रांच में शिकायत की थी, जिसके बाद एफआईआर दर्ज कर तुकोगंज पुलिस को जांच सौंपी गई। एडीशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया के मुताबिक, गुरुवार को संजय को धमकी भरा कॉल आया था, जिसे उन्होंने तुरंत डिस्कनेक्ट कर दिया। इसके बाद उनके मोबाइल पर वॉइस मैसेज आया, जिसमें मैसेज करने वाले ने खुद को लॉरेंस गैंग का साथी और हेरी बॉक्सर बताया और 15 करोड़ रुपए की मांग की। वॉइस मैसेज में कहा गया कि रकम नहीं देने पर हत्या कर दी जाएगी।

पहली पत्नी की गला दबाकर हत्या, लाश जंगल में फेंकी: साथ में रहने का दबाव बनाने पर मार डाला, आरोपी गिरफ्तार

न्यूज क्राइम फाइल

सिंगरौली जिले के बरगवां थाना क्षेत्र के पिडरवाह-चितरवई जंगल में मिली महिला की लाश की गुत्थी पुलिस ने सुलझा ली है। शनिवार को पुलिस ने इस हत्याकांड का खुलासा करते हुए मृतका के पति जहरूद्दीन अंसारी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। पुलिस को 17 मार्च 2026 को सूचना मिली थी कि पिडरवाह के जंगलों में एक महिला का करीब 6-7 दिन पुराना सड़ा-गला शव पड़ा है। मौके पर पहुंची पुलिस ने पंचनामा किया और शव के पास मिले सामान के आधार पर महिला की शिनाख्त की। हालत ज्यादा खराब होने के कारण शव को पोस्टमार्टम के लिए रीवा भेजा गया था।

दूसरी शादी बनी कत्ल की वजह

पुलिस जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि आरोपी जहरूद्दीन अंसारी (32)

ने दो साल पहले दूसरी शादी कर ली थी, जिससे उसकी पहली पत्नी के साथ अक्सर झगड़ा होता था। पहली पत्नी बैढ़न के माजन मोड़ पर किराए के कमरे में रहती थी और वह जहरूद्दीन पर साथ रहने के लिए लगातार दबाव बना रही थी।

योजनाबद्ध तरीके से की हत्या

बरगवां थाना प्रभारी मोहम्मद समीर के मुताबिक, आरोपी ने 13 मार्च को अपनी पहली पत्नी को ठिकाने लगाने की साजिश रची। वह उसे मोटरसाइकिल पर बैठाकर सुनसान जंगल ले गया और वहां गला दबाकर उसकी हत्या कर दी। सबूत मिटाने के इरादे से उसने पत्नी का मोबाइल काचन डैम की नहर में फेंक दिया और खुद फरार हो गया।

पुलिस की कार्रवाई

पुलिस ने पूछताछ के बाद जहरूद्दीन को हिरासत में लिया। सख्ती बरतने पर उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया। आरोपी की निशानदेही पर पुलिस ने वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल और अन्य सामान भी बरामद कर लिया है।

राष्ट्रनिर्माण कभी भी तात्कालिक सोच से नहीं होता। वो एक बड़े विज़न, धैर्य और समय पर लिए गए निर्णयों से होता है।
हेमंत खंडेलवाल, प्रदेश अध्यक्ष-भाजपा मप्र, विधायक- बैतूल

आलेख

ड्रैगन ने चल दी है नई चाल, अब पानी से करेगा वार, भारत आखिर कैसे देगा जवाब?

चीन ने तिब्बत के यारलुंग सांगपो नदी पर जिस विशाल जलविद्युत परियोजना की शुरुआत की है, उसने एशिया की भू-राजनीति में हलचल नहीं बल्कि भूकंप ला दिया है। यह कोई साधारण बांध नहीं, बल्कि पानी के जरिये ताकत हासिल करने की खुली रणनीति है। और सबसे खतरनाक बात यह है कि इसकी मार सीधे भारत और बांग्लादेश जैसे निचले देशों पर पड़ने वाली है। इस साल की शुरुआत में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अपने नववर्ष संबोधन में जब इस परियोजना का ऐलान किया तो दुनिया को साफ संदेश मिला कि चीन अब न तो पर्यावरण की चिंता करेगा और न ही पड़ोसी देशों की। करीब 167 अरब डॉलर की लागत से बन रही यह परियोजना दुनिया की सबसे बड़ी जलविद्युत योजना बताई जा रही है जिसकी क्षमता 67 से 80 गीगावाट तक आंकी जा रही है। तुलना करें तो यह थ्री गॉर्जेस बांध से भी लगभग तीन गुना बड़ी हो सकती है। यह वही नदी है जो भारत में सियांग और फिर ब्रह्मपुत्र बनती है और आगे बांग्लादेश में जमुना के रूप में बहती है। अकेले ब्रह्मपुत्र घाटी में भारत के करीब तेरह करोड़ लोगों की आजीविका इस नदी पर निर्भर है जबकि बांग्लादेश में यह संख्या करोड़ों में है। यानी यह परियोजना सीधे करोड़ों जिंदगियों पर असर डालने वाली है।

पानी पर कब्जा यानी भविष्य पर कब्जा

चीन इस परियोजना को हरित ऊर्जा का नाम दे रहा है, लेकिन असल खेल कहीं ज्यादा गहरा है। नदी के ऊपरी हिस्से पर नियंत्रण का मतलब है नीचे बहने वाले पानी पर नियंत्रण। और यही वह बिंदु है जहां यह परियोजना एक रणनीतिक हथियार बन जाती है। विशेषज्ञों का साफ कहना है कि यदि चीन चाहे तो सूखे के समय पानी रोक सकता है और तनाव के समय अचानक छोड़ सकता है। इससे बाढ़ जैसी तबाही पैदा हो सकती है। यही वजह है कि भारत के पूर्वोत्तर में इसे वाटर बम कहा जा रहा है। लोवी संस्थान की एक रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि तिब्बत के पठार पर चीन का बढ़ता जल नियंत्रण भारत की अर्थव्यवस्था पर गला घोंटने वाला दबाव बना सकता है। यह केवल जल संकट नहीं बल्कि खाद्य संकट और ऊर्जा संकट को भी जन्म दे सकता है।

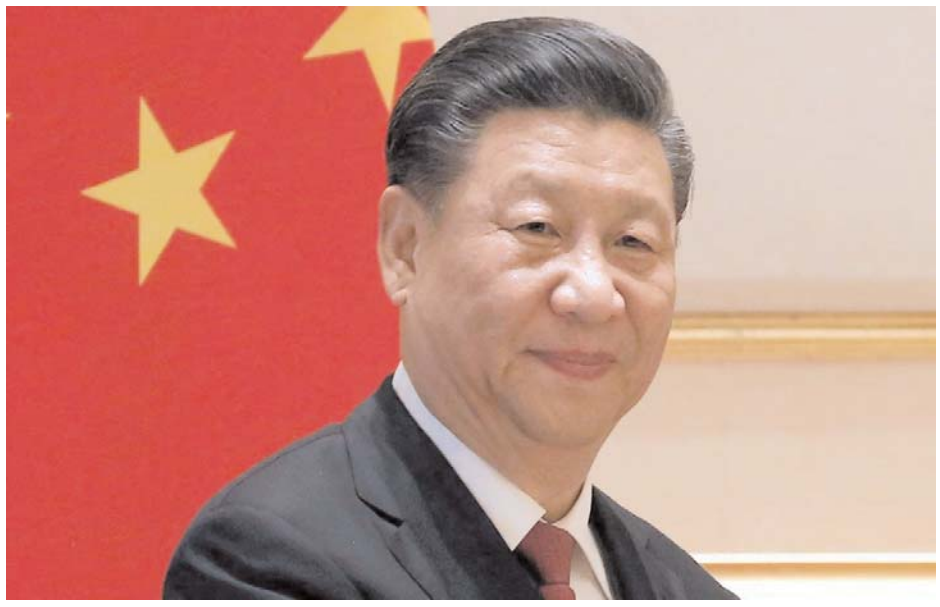

पर्यावरण के साथ खतरनाक खिलवाड़

जिस इलाके में यह परियोजना बन रही है वह भूगर्भीय दृष्टि से बेहद अस्थिर है। यह क्षेत्र दुनिया की सबसे गहरी घाटियों में गिना जाता है और यहां भूकंप तथा भूस्खलन आम बात है। ऐसे में इतनी बड़ी संरचना बनाना सीधे आपदा को निमंत्रण देना है। यदि किसी भी कारण से बांध को नुकसान पहुंचता है तो उसका असर हजारों किलोमीटर दूर तक जा सकता है। ब्रह्मपुत्र की तेज धारा और विशाल जल प्रवाह इसे और भी खतरनाक बना देते हैं। इसके अलावा नदी के प्राकृतिक प्रवाह में बदलाव से पूरे पारिस्थितिकी तंत्र पर असर पड़ेगा। अनुमान है कि ब्रह्मपुत्र हर साल लगभग सात सौ मिलियन टन गाद लेकर आती है जो असम और बांग्लादेश की जमीन को उपजाऊ बनाती है। यदि यह प्रवाह बाधित हुआ तो खेती पर सीधा असर पड़ेगा।

तिब्बत की आवाज दबाकर बनाई जा रही परियोजना

इस पूरे मामले में सबसे ज्यादा चिंता पारदर्शिता को लेकर है। न तो पर्यावरणीय रिपोर्ट सार्वजनिक की गई है और न ही स्थानीय लोगों से कोई राय ली गई है। तिब्बती समुदाय और पर्यावरण कार्यकर्ताओं की आवाज को पूरी तरह नजरअंदाज किया जा रहा है। भारत के पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने इसे चीन का दोहरा रवैया बताया है। उन्होंने हाल ही में कहा कि चीन जब अपने हित में होता है तो अंतरराष्ट्रीय नियमों की बात करता है और जब नहीं होता तो उन्हें कुचल देता है।

भारत का पलटवार भी कम आक्रामक नहीं

चीन की इस चाल के जवाब में भारत ने भी अपनी रणनीति तेज कर दी है। भारत पूर्वोत्तर में 208 बांध बनाने की योजना पर काम कर रहा है जिसकी कुल क्षमता 75 गीगावाट से ज्यादा होगी। इसमें सबसे बड़ा प्रोजेक्ट अपर सियांग है जिसकी ऊंचाई लगभग तीन सौ मीटर और क्षमता ग्यारह गीगावाट होगी। इसका मकसद केवल बिजली बनाना नहीं बल्कि चीन के जल नियंत्रण के खतरे को संतुलित करना है। भारत की योजना है कि वर्ष 2047 तक ब्रह्मपुत्र बेसिन से छिहत्तर गीगावाट से अधिक बिजली पैदा की जाए। यानी यह साफ है कि यह अब ऊर्जा की दौड़ नहीं बल्कि रणनीतिक टकराव बन चुका है।

पानी से डेटा तक फैलती जंग

अब यह संघर्ष केवल नदी तक सीमित नहीं रहा। जलविद्युत परियोजनाएं अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल नेटवर्क से जुड़ चुकी हैं। चीन अपने बांधों को स्मार्ट ऊर्जा तंत्र से जोड़ रहा है जबकि भारत भी कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी और डेटा विश्लेषण पर काम कर रहा है। इसका सीधा मतलब है कि जो देश पानी को नियंत्रित करेगा वही ऊर्जा और डेटा दोनों पर नियंत्रण हासिल करेगा। यानी भविष्य की ताकत अब पानी और तकनीक के गठजोड़ में छिपी है।

बिना नियम के खतरनाक खेल

सबसे बड़ा खतरा यह है कि ब्रह्मपुत्र को लेकर भारत और चीन के बीच कोई औपचारिक जल समझौता नहीं है। यानी कोई बाध्यता नहीं, कोई जवाबदेही नहीं। अतीत में चीन ने साल 2000 में आई बाढ़ के दौरान जरूरी आंकड़े साझा नहीं किए थे जिससे भारी नुकसान हुआ था। इससे भरोसे की कमी और गहरी हो गई है।

एशिया का उभरता युद्ध क्षेत्र

आज हिमालय केवल सीमाओं का नहीं बल्कि पानी और ऊर्जा का युद्ध क्षेत्र बन चुका है। चीन अपनी तकनीकी और आर्थिक ताकत के बल पर बढ़त लेने की कोशिश कर रहा है, जबकि भारत जवाबी संतुलन बनाने में जुटा है। बांग्लादेश के लिए यह स्थिति और भी गंभीर है क्योंकि वह पूरी तरह इस नदी पर निर्भर है। यदि सूखे के समय पानी घटा तो वहां खाद्य संकट गहरा सकता है।

संपादकीय

आखिर नफरत भरे भाषण पर कब सजग और सक्रिय होंगे हमारे हुक्मरान?

नफरत भरे भाषण, किसी भी सभ्य समाज के लिए वैचारिक कैंसर और सामाजिक एड्स के जैसा जानलेवा है, लेकिन दुनियावी तर्ज पर भारतीय लोकतंत्र में भी यह एक बुनियादी राजनीतिक-सामाजिक फैशन बनता प्रतीत हो रहा है। कोढ़ में खाज यह कि %बहुमत की भूखी% संसद और उसके %इशारे पर कुछ कुछ फैसले लेने के आदी बन चुके% सुप्रीम कोर्ट ने आजादी के 8वें दशक में भी विषाक्त बयानबाजियों के खिलाफ कोई कड़ा राष्ट्रवादी स्टैंड नहीं लिया ताकि राष्ट्रीय एकता व अखंडता पर अनवरत रूप से जारी साम्राज्यवादी वैचारिक हमले की धार कुंद की जा सके! ऐसा इसलिए कि इनकी भी अपनी विवशता है! चूंकि पद और गोपनीयता की शपथ लेने वाले अधिकार संपन्न लोग ब्रितानी नौकरशाही और राजशाही के इशारे पर बने भारतीय संविधान को मानने को अभिशप्त हैं और अपनी व्यवहारिक और मौलिक सोच को ताखे पर रख चुके हैं, इसलिए हर जनतांत्रिक बीमारी लाइलाज हो चुकी है और भारत माता अपनी ही संतानों को निरंतर मुखाग्नि देते देते थककर बूढ़ी हो चली है। राष्ट्रीय दुर्भाग्य यह कि पहले मुस्लिम शासकों और फिर अंग्रेजी नौकरशाहों ने भारत को जातीय, साम्प्रदायिक, भाषाई-क्षेत्र और लिंग के लिहाज से बांटकर निरंतर कमजोर रखने की जो साजिश रची, उसे अँग्रेजों के लाभुक इशारों पर चलने वाले भारत के आजादी कालीन नेताओं ने बहुमत प्राप्ति का लोकतांत्रिक आधार बना दिया। पहले अखंड भारत को खंडित किया और फिर जाति-धर्म-भाषा की तुष्टीकरण वाले अंग्रेजी कानूनों को हूबहू स्वीकार कर लिया। इससे सामाजिक विखण्ड की प्रक्रिया तेज हुई। चौंकाने वाली बात तो यह कि कांग्रेस को कमजोर करने के लिए समाजवादियों और राष्ट्रवादियों ने भी जाति-धर्म-भाषा-क्षेत्र से जुड़े जनभावनाओं को भड़काया और बहुमत पाकर सत्ता हथियाया। लेकिन भारतीयों की नीतिगत एकजुटता की बात मील का पत्थर बनकर रह गई। मतलबी सरकारें बदलती रहीं, भारत माता की आत्मा पर अनगिनत प्रहार जारी हैं, लेकिन हमारी संसद और सुप्रीम कोर्ट प्रबुद्ध और सुसंस्कृत भारत के निर्माण की जगह यूरोपीय और अरबी कलह को भारत पर थोपने की मूर्खता प्रदर्शित कर रही है, जो दुर्भाग्यपूर्ण स्थिति है। यह कितनी मूर्खतापूर्ण बात है कि आजाद भारत में गरीबी और अपराध को जातीय चश्मे से देखा जाता है, सवर्ण यानी सामान्य जाती विरोधी कानून बनाये जाते हैं और सुप्रीम कोर्ट भी ऐतिहासिक सामाजिक अन्याय का जिक्र करते हुए वर्तमान और भविष्य के सवर्ण विरोधी सामाजिक अन्याय किये जाने के निकृष्ट जनतांत्रिक विचारों पर मोहर लगाता है। खासकर भारतीय संविधान से जुड़े संवैधानिक अनुच्छेद (14, 15, 19, 21, स्ष्ट/स्ञ्ज/ष्ह्र) की तर्क संभाव्यता, आदि) को भी विस्तार से देखने और इनपर पुनर्विचार की जरूरत है। अन्यथा, देर सबेर सामान्य जातियों के बीच भी संसद और सुप्रीम कोर्ट का अप्रासंगिक होना तय है। यक्ष प्रश्न है कि आखिर बहुमत की राजनीति के लिए समाज को कब तक झुलसाया जाएगा, क्योंकि जब सहिष्णुता के विचार बदलेंगे तो व्यवस्था बदलते देर नहीं लगेगी! चूंकि प्रभावित पक्षों के लिए भारतीय संविधान का पक्षपाती दृष्टिकोण एक ऐसा %मटमैला पन्ना% है, जो जाति, सम्प्रदाय, भाषा, क्षेत्र, लिंग आदि में वैधानिक विभेद रचता है और उसे सामान्य जातियों के खिलाफ ऐतिहासिक सामाजिक अत्याचार का प्रतिफल करार देता है।

एक बीघा में 50 क्विंटल गेहूं उगाने और गुड़ की खेती करने के बाद मुख्यमंत्री @DrMohanYadavzv जी दूध का रकबा बढ़ाने की बात कर रहे हैं।खेती-किसानी, खून पसीने की मेहनत का फल है, जिसके बारे में मुख्यमंत्री जी कुछ नहीं जानते।
जीतू पटवारी अध्यक्ष, मप्र कांग्रेस

दुपट्टे से घोंटा गला, छोटी बहन के साथ शादी में गई थी; 15-17 साल के हैं आरोपी

नाबालिगों ने गैंगरेप कर लड़की को मार डाला

न्यूज क्राइम फाइल

मध्य प्रदेश के रतलाम जिले में 15-17 साल के आरोपियों ने 18 साल की लड़की से गैंग रेप किया, फिर मार डाला। आरोपियों ने लड़की के दुपट्टे से गला घोंटा है। गांव में ही नाबालिग शादी में गई थी। शादी वाले घर से 500 मीटर दूरी पर लाश मिली है। मामला सरवन थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, लड़की के गले में दुपट्टा लिपटा हुआ था, जिस पर गांठ बंधी थी। मृतक के पिता ने पहले ही बेटी से दुष्कर्म कर हत्या की आशंका जताई थी। पुलिस ने शनिवार को चार नाबालिग आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

हाथ पकड़कर जबरन ले गया आरोपी

परिजन के मुताबिक, बुधवार रात करीब 10 बजे युवती गांव में रिश्तेदार के यहां शादी में गई थी। रात करीब 3 बजे वह अपनी छोटी बहन के साथ शौच के लिए निकली थी, तभी एक 17 वर्षीय आरोपी वहां पहुंचा और लड़की का हाथ पकड़कर जबरन दूर ले गया। इस दौरान आरोपी ने उसके साथ दुष्कर्म किया। इसी बीच गांव के ही 15-17 साल के तीन अन्य आरोपी भी वहां पहुंच गए। उन्हें देखकर पहला आरोपी वहां से भाग गया। इसके बाद तीनों ने नाबालिग को पकड़ लिया।

दुष्कर्म के बाद हत्या, शव फेंककर फरार

तीनों आरोपियों में से एक आरोपी ने लड़की का मुंह दबाकर दुष्कर्म किया, जबकि दो अन्य ने उसे पकड़े रखा। वारदात के बाद पकड़े जाने के डर से तीनों ने मिलकर दुपट्टे से उसका गला घोंट दिया और शव को घर से करीब 200 मीटर दूर फेंककर फरार हो गए। परिजन के मुताबिक युवती को पकड़कर ले जाते समय उसकी छोटी बहन वहां से भाग गई थी। उसने कुछ देर बाद शादी वाले घर में लोगों को घटना की जानकारी दी। इसके बाद परिजन ने उसकी तलाश शुरू की। सुबह करीब 4 बजे नाबालिग का शव मिला। परिजन ने वारदात की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची, पंचनामा कार्रवाई की और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में दुष्कर्म के बाद हत्या की पुष्टि हुई है।

पुलिस ने पॉक्सो एक्ट की धारा नहीं लगाई

वहीं सैलाना एसडीओपी नीलम बघेल ने बताया कि मृतक 18 साल की थी। परिजन ने मेडिकल कॉलेज में उम्र 17 साल लिखाई थी। दर्ज केस में पुलिस ने पॉक्सो एक्ट की धारा नहीं लगाई है। मामले की जांच की जा रही है।

आरोपियों को बाल सुधार गृह भेजा गया

रतलाम,स्क्क विवेक कुमार लाल ने बताया कि, पुलिस ने संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें आरोपियों ने अपराध स्वीकार किया। नाबालिगों के खिलाफ धारा 64, 70(1), 87, 61(2) के तहत गिरफ्तार किया गया। कोर्ट ने आरोपियों को बाल सुधार गृह भेज दिया है।

पत्रकार बनने का सुनहरा अवसर

अगर आपके अंदर लिखने का कौशल है और पत्रकारिता में रुचि है, तो 'न्यूज क्राइम फाइल' को आपकी तलाश है। 'न्यूज क्राइम फाइल' से जुड़ कर आप हर माह दस हजार रुपये तक कमा सकते हैं। 'न्यूज क्राइम फाइल' भोपाल, ग्वालियर, सतना, सागर, जबलपुर, इंदौर, उज्जैन, मंदसौर और नीमच में ब्यूरो ऑफिस खोलने जा रहा है। इच्छुक उम्मीदवार तत्काल हमें अपना बॉयोडाटा मेल करें या व्हाट्सअप करें।

उदय प्रताप सिंह चौहान (संपादक) 07223003441
वजाहत खान (प्रबंधक सपांदक) 07999252366
email: newscrimefile@yahoo.com

विकसित और आत्मनिर्भर भारत का स्वप्न जनजातीय भाई-बहनों की भागीदारी से ही पूर्ण होगा...प्रदेश में भगोरिया को राजकीय पर्व के रूप में मनाया जा रहा है, जो जनजातीय संस्कृति के संरक्षण के प्रति सरकार के भाव को प्रकट करता है।

मोहन यादव, मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री

उत्पाद और सीमा शुल्क व सीजीएसटी ने पकड़ी टैक्स चोरी:

ग्वालियर में दो सगे भाई गिरफ्तार, 35 करोड़ की चोरी पकड़ी, जीएसटी का वैल्वुएशन बाकी

न्यूज क्राइम फाइल

सीजीएसटी और केंद्रीय उत्पाद और सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने ग्वालियर के दो सगे भाइयों की सुपारी और तंबाकू उत्पाद बनाने वाली फर्मों पर छापेमारी की है। टैक्स चोरी के मामले में दोनों भाइयों को गिरफ्तार कर लिया है। इनके द्वारा 35 करोड़ रुपए से अधिक की टैक्स चोरी सामने आई है, जिसमें जीएसटी की चोरी का एनालिसिस अभी बाकी है। सीजीएसटी भोपाल की टीम ने ग्वालियर स्थित मेसर्स हुंका ट्रेडर्स के मालिक विकास गुप्ता और मेसर्स विकास एंटरप्राइजेज के मालिक रामू गुप्ता के परिसरों का इंस्पेक्शन कर सर्चिंग की गई। दोनों मालिक सगे भाई हैं और ये फर्में आसपास के क्षेत्र में स्थित हैं। बताया जाता है कि जांच के दौरान यह पता चला है कि सीजीएसटी अधिनियम 2017 के अंतर्गत वस्तुओं का गलत कैटेगराइजेशन, तंबाकू पर केंद्रीय उत्पाद शुल्क का भुगतान नहीं करने और एचएसएनएस उपकर अधिनियम 2025 के अंतर्गत अनिवार्य पंजीकरण कराए बिना पाउच पैकिंग मशीनों का संचालन किया जा रहा था। जांच के दौरान विकास एंटरप्राइजेज में एचएसएनएस उपकर के रूप में 32 करोड़ रुपए और हुंका ट्रेडर्स में केंद्रीय उत्पाद शुल्क के रूप में 3.32 करोड़ रुपए का भुगतान नहीं होना पाया गया है। इन दोनों फर्मों के लिए जीएसटी चोरी अभी स्पष्ट होना बाकी है। अभी कोई वसूली भी इस मामले में नहीं की गई है।

विकास इंटरप्राइजेज के मालिक ऐसे करते रहे चोरी

जांच में पता चला है कि मेसर्स विकास एंटरप्राइजेज के मालिक रामू गुप्ता अवैध रूप से पान मसाला का प्रोडक्शन कर रहे थे। इन्होंने अपने प्रोडक्शन वाले माल को को एचएसएन 2106, अन्यत्र निर्दिष्ट या शामिल नहीं किए गए खाद्य पदार्थ के अंतर्गत घोषित बताया है और 5% और 18% की दर से जीएसटी का भुगतान कर रहे हैं। जानकारी के अनुसार, ये वीएम ब्लैक ब्रांड नाम से सुगंधित सुपारी के उत्पादन में भी शामिल हैं, जिसमें चूना और अन्य घटक मिलाए गए थे। इसलिए टैक्सपेयर रामू गुप्ता को सुगंधित सुपारी की आड़ में पान मसाला की आपूर्ति में लिप्त पाया गया है। इनके द्वारा बनाए जाने वाले पाउचों पर यह वैधानिक चेतावनी भी अंकित है कि तंबाकू चबाना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। सीजीएसटी की टीम द्वारा की गई सर्चिंग के दौरान पाउचों की पैकिंग के लिए 3 आटोमैटिक मशीनें और मैन्युअल पैकिंग के लिए 12 मशीनें एचएसएनएस उपकर अधिनियम, 2025 के अंतर्गत रजिस्ट्रेशन कराए बिना चालू पाई गईं। इनसे लगभग 32 करोड़ रुपए के एचएसएनएस उपकर का भुगतान न होने का पता चला है।

हुंका ट्रेडर्स में मिली इस तरह की गड़बड़ी

मेसर्स हुंका ट्रेडर्स के मालिक विकास गुप्ता अवैध रूप से तंबाकू का उत्पादन कर रहे हैं। इस टैक्सपेयर ने अपने उत्पादित माल को एचएसएन 0802, अन्य मेवे, ताजे या सूखे, चाहे छिलके वाले हों या नहीं (नारियल, ब्राजील नट्स और काजू को छोड़कर) और एचएसएन 2401, असंसाधित तंबाकू; तंबाकू अपशिष्ट – बिना डंठल वाला तंबाकू- फ्लू-क्योर वर्जीनिया तंबाकू के अंतर्गत घोषित कर टैक्स चोरी की जा रही है और केवल 5त्न की दर से जीएसटी का भुगतान किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार, यह टैक्सपेयर सुगंधित तंबाकू के उत्पादन में भी शामिल है। परिसर में दो ऑटोमेटिक पाउच पैकिंग मशीनें चालू पाई गईं, जिन्हें जब्त कर लिया गया है। 3.32 करोड़ रुपए की केंद्रीय उत्पाद शुल्क चोरी का पता चला है। दोनों परिसरों से सभी मशीनें और स्टॉक, साथ ही आपत्तिजनक दस्तावेज और डिजिटल उपकरण जब्त कर लिए गए हैं। दोनों फर्मों के मालिक सगे भाई हैं और एक-दूसरे के पूरक उत्पाद बना रहे हैं। दोनों मालिकों को गिरफ्तार कर लिया गया है। आगे की जांच जारी है।

कार्यक्रम

बही पार्श्वनाथ स्थित गाजणी माता मंदिर में प्रतिवर्ष की भांति गुड़ी पड़वा के पावन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में सहभागिता कर माँ गाजणी के दर्शन पूजन किए तथा प्रदेश की सुख, समृद्धि और उन्नति हेतु प्रार्थना की। इस अवसर पर सुसनेर विधायक श्री भेरू सिंह जी, भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष श्री राजेश जी दीक्षित, आलोट जनपद अध्यक्ष श्री कालू सिंह जी, मंडल अध्यक्ष श्री राकेश पाटीदार जी, पूर्व मंडल अध्यक्ष श्री राजेंद्र सिंह राणा सहित अन्य गणमान्य जन उपस्थित रहे।

ऐसे कई उदाहरण हैं, जिनसे पता चलता है कि गरीब और छोटे किसानों के कल्याण के लिए हमने हमेशा नेक नीयत से काम किया है। वहीं, कांग्रेस और उसके साथियों की नीयत में ही खोट है, इसलिए उन्होंने इनका कभी भला नहीं किया।

प्रधानमंत्री- नरेंद्र मोदी

पाकिस्तान क्रिकेट में टॉक्सिक माहौल

पूर्व कोच गैरी कर्स्टन का खुलासा, छह महीने में ही पद छोड़ दिया था

न्यूज क्राइम फाइल

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के पूर्व हेड कोच गैरी कर्स्टन ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड पर आरोप लगाए हैं। उन्होंने खुलासा किया कि टीम के भीतर लगातार दखलअंदाजी और खराब माहौल के कारण काम करना बेहद मुश्किल हो गया था। कर्स्टन ने छह महीने में ही पाकिस्तान के कोच पद से इस्तीफा दे दिया था। कर्स्टन ने कहा, PCB में बाहरी हस्तक्षेप बहुत ज्यादा था, जिससे टीम के फैसलों और प्रदर्शन पर निगेटिव असर पड़ता था। उन्होंने कहा, ऐसे टॉक्सिक माहौल में किसी भी कोच के लिए सफल होना लगभग असंभव है। गैरी कर्स्टन ने टॉकस्पोर्ट क्रिकेट से बताया, मेरे लिए सबसे हैरान करने वाली चीज लगातार होने वाला बाहरी हस्तक्षेप था। इस वजह से कोच के तौर पर टीम के साथ सही तरीके से काम करना बेहद मुश्किल हो जाता है। कर्स्टन ने आगे कहा, टीम के खराब प्रदर्शन के बाद माहौल और भी तनावपूर्ण हो जाता था। पाकिस्तान क्रिकेट में खराब प्रदर्शन का ठीकरा सबसे पहले कोच के सिर फोड़ा जाता है। पाकिस्तानी कोच का पद बीच में छोड़ा कर्स्टन अप्रैल 2024 में पाकिस्तान टीम के व्हाइट बॉल कोच बने थे, लेकिन बोर्ड और

खिलाड़ियों के साथ मतभेद के कारण उन्होंने 6 महीने में ही पद छोड़ दिया था।

श्रीलंका के नए हेड कोच बने फिलहाल, पूर्व साउथ अफ्रीकी ओपनर कर्स्टन श्रीलंका के नए हेड कोच बन गए हैं। 9 मार्च को श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड ने इसका ऐलान किया। वे 15 अप्रैल 2026 से टीम की जिम्मेदारी संभालेंगे। कर्स्टन को दो साल के कॉन्ट्रैक्ट पर नियुक्त किया गया है। वे सनथ जयसूर्या की जगह लेंगे, जिन्होंने हाल ही में खत्म हुए टी-20 वर्ल्ड कप 2026 में टीम के सुपर-8 से बाहर होने के बाद पद छोड़ दिया था। 2027 वनडे वर्ल्ड कप तक साथ रहेंगे श्रीलंका के साथ उनके दो साल के कार्यकाल में सबसे बड़ा टूर्नामेंट 2027 का वनडे वर्ल्ड कप होगा, जो दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में खेला जाएगा। टीम की कोशिश उस टूर्नामेंट के लिए सीधे क्वालिफाई करने की होगी। 2011 वनडे वर्ल्ड कप जीता था कोचिंग में कर्स्टन का अच्छा रिकॉर्ड रहा है। उनके मार्गदर्शन में भारत ने 2011 का वनडे वर्ल्ड कप जीता था। इसके बाद टीम ने टेस्ट में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया और रैंकिंग में नंबर-1 बना था। इसके बाद उन्होंने दो साल तक साउथ अफ्रीका की टीम को भी कोचिंग दी। गिलेस्पी ने भी ऐसे आरोप लगाए थे पाकिस्तान के पूर्व टेस्ट कोच जेसन गिलेस्पी ने भी पाकिस्तान टीम के कोच पद से इस्तीफा देने को लेकर हाल ही में बात की थी। गिलेस्पी का कहना था कि उन्होंने टीम के खराब प्रदर्शन की वजह से नहीं, बल्कि PCB के रवैये और अंदरूनी कामकाज के कारण पद छोड़ा था। उन्होंने कहा, PCB के कुछ फैसलों और उनके रवैया से उन्हें खुद को अपमानित महसूस हुआ था। गिलेस्पी को अप्रैल 2024 में पाकिस्तान के टेस्ट क्रिकेट का हेड कोच नियुक्त किया गया था। उन्होंने दिसंबर 2024 में ही इस पद से इस्तीफा दे दिया था।

लग्जरी प्रॉपर्टी वाले निवेशकों का पैसा फंसा:

अमेरिका-ईरान युद्ध में झुलस रहे दुबई में विला-अपार्टमेंट की मांग घटी; 2-4 करोड़ की छूट, फिर भी नहीं मिल रहे खरीदार

न्यूज क्राइम फाइल

ब्रिटेन के रियलिटी शो स्टार सैम गॉलेंड ने कुछ महीनों पहले दुबई में एक लग्जरी विला खरीदा। विला की कीमत करीब 19 करोड़ रुपए थी, जो रेनोवेशन के बाद और बढ़ गई। सैम ने प्रॉपर्टी बेचने के लिए हाल में इसे बाजार में उतारा, लेकिन इसी दौरान अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध शुरू हो गया। मिडिल ईस्ट में तनाव बढ़ने से हालत यह है कि अब विला के लिए कोई खरीदार नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कम दाम पर भी घर बेचने की कोशिशें की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। इस तरह की मुश्किलें सिर्फ सैम तक सीमित नहीं है। युद्ध के बाद से दुबई में लग्जरी प्रॉपर्टी के दाम औसतन 25त्न तक गिर चुके हैं और प्रॉपर्टी डील्स की संख्या भी पहले के मुकाबले आधी रह गई है। मार्च की शुरुआत में पिछले साल के मुकाबले

31त्न कम प्रॉपर्टी के सौदे हुए हैं, जबकि फरवरी की तुलना में ये गिरावट 51त्न की है। मसलन खरीदार कीमतें गिरने से पहले ही बाजार से बाहर हो गए थे। दुबई को अब तक एक टैक्स-फ्री और राजनीतिक रूप से स्थिर इकोनॉमी माना जाता था। लेकिन ईरानी हमलों के चलते उसके यह छवि दरकती दिख रही है। गोल्डमैन सैक्स के एक्सपर्ट्स का मानना है कि शहर का रियल एस्टेट मार्केट काफी हद तक %सेंटीमेंट-ड्रिवन% रहा है। जैसे ही मिसाइल और ड्रोन हमलों की खबरें आईं, लोगों में डर बैठ गया और महंगी प्रॉपर्टी के खरीदार गायब हो गए। लग्जरी प्रॉपर्टी के खरीदार नहीं मिलने के कारण एमार जैसे बड़े रियल एस्टेट डेवलपर्स के शेयरों में भारी गिरावट आई है। कई प्रॉपर्टी मालिक जो अपनी प्रॉपर्टी बेचना चाहते हैं उन्होंने कीमतें भी घटा लीं हैं, इसके बावजूद खरीदार नहीं मिल पा रहे हैं।

लग्जरी प्रॉपर्टी के दाम 25 प्रतिशत गिरे, सौदों में 51 प्रतिशत की भारी कमी

दुनियाभर के अरबपतियों की पहली पसंद माने जाने वाले दुबई के लानाई आइलैंड, अरेबियन रैंचेस और पाम जुमेराह आइलैंड्स जैसे इलाकों में प्रॉपर्टी के दाम में 20त्न की कटौती आम बात हो गई है। निवेशक अपने महंगे विला, पेंटहाउस और लग्जरी अपार्टमेंट्स को 2-4 करोड़ रुपए के डिस्काउंट पर बेचने को तैयार हैं। इससे साफ है कि दुबई का रियल एस्टेट बाजार फिलहाल ठहराव की स्थिति में पहुंच गया है, जहां कीमतों से ज्यादा बड़ी समस्या खरीदारों की कमी है।

संघ से लेकर जनसंघ व भाजपा तक, राष्ट्रसेवा व समाज-कल्याण के लिए समर्पित %भारत रत्न% नानाजी देशमुख जी ने ग्रामोदय को अपने जीवन का लक्ष्य बनाया और भारतीय मूल्यों पर आधारित शिक्षा के आजीवन पथप्रदर्शक रहे।
केंद्रीय गृहमंत्री-अमित शाह

चलती कार में आग, डॉक्टर की पत्नी जिंदा जली...

इलाज कराने ले जा रहा था पति, भाई बोला- दीदी बेहोश थी या मार दी गई थी

न्यूज क्राइम फाइल

मध्य प्रदेश के सागर जिले में शनिवार सुबह करीब 4 बजे गढ़ाकोटा रोड पर चलती कार में आग लग गई। हादसे में डॉक्टर की पत्नी जिंदा जल गई, जबकि डॉक्टर और 2 अन्य साथियों ने अपनी जान बचा ली। मामला सानौधा थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक, मृतक महिला की पहचान सीमा कुर्मी (38) के रूप में हुई है, जबकि उनके पति डॉ. नीलेश कुर्मी (42) गढ़ाकोटा के निवासी हैं। आग इतनी भीषण थी कि महिला का शव काफी हद तक जल चुका है। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है।

परिजन को फोन पर बताया- सीमा को हार्ट अटैक आया

पुलिस के मुताबिक, डॉ. नीलेश अपनी पत्नी सीमा को इलाज के लिए सागर ले जा रहे थे। उन्होंने परिजन को फोन पर बताया था कि सीमा को हार्ट अटैक आया है और उन्हें राय अस्पताल ले जाया जा रहा है। उनके साथ क्लिनिक के दो कर्मचारी भी थे। डॉक्टर के मुताबिक, जब कार गढ़ाकोटा रोड पर पहुंची, तभी कार के अगले हिस्से से आग लगनी शुरू हुई। सीमा कुर्मी पीछे की सीट पर बैठी थीं और बदहवास हालत में थीं। कुछ ही मिनटों में आग ने पूरी कार को अपनी चपेट में ले लिया। सीमा का शरीर बुरी तरह झुलस गया और मौके पर ही उनकी मौत हो गई।

डॉक्टर बच निकले, लेकिन सवाल खड़े

घटना के दौरान कार के ड्राइवर साइड के दोनों दरवाजे अंदर से लॉक पाए गए, जबकि दूसरी ओर के दरवाजे खुले हुए थे। इन्हीं खुले दरवाजों से डॉ. नीलेश बाहर निकल पाए। उनके साथ क्लिनिक में काम करने वाले दो युवकों ने भी अपनी जान बचा ली। डॉक्टर के बयान के बाद मृतका के भाई लोकेश पटेल ने कहा कि अगर यह साधारण हादसा होता, तो मौके पर एक्सीडेंट के स्पष्ट निशान मिलते। उन्होंने आशंका जताई कि या तो उनकी बहन को बेहोशी की हालत में ले जाया जा रहा था या फिर पहले ही उसकी हत्या कर दी गई थी। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।

पहले बताया ट्रक ने टक्कर मारी, फिर कहा- आग लग गई

मृतक के जीजा राजेश पटेल ने बताया कि वे अपने बच्चों के साथ सागर जा रहे थे, तभी रास्ते में फोन आया कि ट्रक से कार की टक्कर हो गई है। इसके कुछ देर बाद फिर फोन आया कि कार में आग लग गई है और जल्दी पहुंचने को कहा गया। इसके बाद नीलेश ने कोई जानकारी नहीं दी। उन्होंने यह भी बताया कि नीलेश के चरित्र को लेकर शंका थी, जिस कारण पति-पत्नी के बीच अक्सर विवाद होता था। अपनी पत्नी को पीटता भी था।

बेटी से मारपीट करता था दामाद

मृतक के पिता राधाचरण पटेल ने बताया कि करीब एक साल पहले उनकी बेटी सीमा और दामाद नीलेश के बीच विवाद हुआ था, जिसमें मारपीट भी हुई थी। उन्होंने बताया कि नीलेश देर रात घर आता था और फोन पर बात करता रहता था, जिसको लेकर विवाद होता था। उन्होंने दोनों को समझाइश भी दी थी, लेकिन अब उन्हें संदेह है कि उनकी बेटी के साथ कुछ गलत हुआ है।

फॉरेंसिक टीम ने जुटाए सबूत

थाना प्रभारी भरत सिंह ठाकुर ने बताया कि प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि कार में ष्टहत्त किट लगी हुई थी। हालांकि, आग लगने के कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। फॉरेंसिक टीम (स्नस्र) ने मौके पर पहुंचकर कार के अवशेषों की बारीकी से जांच की और साक्ष्य जुटाए हैं।

एडिशनल एसपी बोले- मामला संदिग्ध, पूछताछ जारी

एडिशनल एसपी लोकेश सिंहा ने बताया कि सानौधा थाने में डॉ. नीलेश कुर्मी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। मामला संदिग्ध है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा। फिलहाल तीन लोगों से पूछताछ जारी है। जब कार के ड्राइवर साइड के दोनों दरवाजे अंदर से लॉक थे, तो डॉक्टर नीलेश बाहर कैसे निकल गए, पीछे बैठी पत्नी को बचाने की कोशिश क्यों नहीं की ?

'बंटी-बबली' स्टाइल में चोरियां...3 राज्यों की पुलिस को थी तलाश

12 शहरों में 57 वारदात; हर चोरी में 3 बाइक बदलते, सिर्फ कैश-जेवर ही टारगेट

न्यूज क्राइम फाइल

मध्य प्रदेश की ग्वालियर पुलिस ने इंटरस्टेट चोरी गिरोह का पर्दाफाश किया है। यह गिरोह बिल्कुल फिल्मी अंदाज में 'बंटी-बबली' की तरह वारदातों को अंजाम देता था। पति-पत्नी की इस जोड़ी ने 3 राज्यों की पुलिस की नाक में दम कर रखा था। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और गुजरात के 12 से ज्यादा शहरों में 57 चोरियां की हैं। ग्वालियर पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। ग्वालियर पुलिस के मुताबिक, आरोपी पति-पत्नी का नाम अरविंद रजक (32) और ज्योति रजक (30) है। टारगेट तय करने के बाद वे तीन बाइक का इस्तेमाल करते थे। सूने मकानों की रेकी कर रात के अंधेरे में वारदात को अंजाम देते थे। वे सिर्फ ज्वेलरी और नकदी पर ही फोकस करते थे।

हर बार अलग-अलग बाइक का इस्तेमाल करते थे

ग्वालियर पुलिस ने बताया कि महाराजपुरा इलाके में लगातार चोरियां हो रही थीं। एक के बाद एक 6 वारदातों ने पुलिस पर दबाव बढ़ा दिया। सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, लेकिन हर बार अलग-अलग बाइक और रूट सामने आने से जांच उलझती रही। काफी मशक्कत के बाद पुलिस ने संदिग्ध मूवमेंट को ट्रैक किया।

प्लानिंग फूलप्रूफ होती थी, ताकि सुराग न छूटे

यह गैंग बेहद शातिर तरीके से वारदात करता था। पहले चोरी की बाइक से इलाके की रेकी की जाती थी। वारदात के समय दूसरी बाइक का इस्तेमाल होता था। घटना के बाद उसे कुछ दूरी पर छोड़कर तीसरी बाइक से फरार हो जाते थे। इससे पुलिस को सीसीटीवी फुटेज में अलग-अलग गाड़ियां दिखती थीं और जांच भटक जाती थी।

आरोपी सूने मकानों को निशाना बनाते थे

आरोपी सूने मकानों को निशाना बनाते थे। दिन में रेकी कर यह पता लगाते थे कि कौन सा घर खाली है। रात में मौका पाकर ताला तोड़कर अंदर घुसते थे। इसके बाद सोने-चांदी के गहने और नकदी लेकर फरार हो जाते थे।

अरविंद चोरी करता था, ज्योति मदद करती थी

अरविंद और ज्योति दोनों मिलकर वारदात को अंजाम देते थे। अरविंद चोरी करता था, जबकि ज्योति उसकी मदद करती थी। साथ रहने के कारण पुलिस को शक भी कम होता था। कई बार दोनों पुलिस के सामने से भी बाइक पर निकल जाते थे, क्योंकि महिला साथ होने पर चेकिंग ढीली रहती थी।

आरोपी अरविंद रजक पर चोरी के 56 मामले दर्ज

अरविंद रजक पर कुल 56 चोरी के मामले दर्ज हैं, जिनमें झांसी, ग्वालियर, सीहोर, होशंगाबाद, रायसेन, भिंड-मुरैना और गुजरात के कई शहर शामिल हैं। वहीं ज्योति रजक के खिलाफ भी झांसी में एक मामला दर्ज है। दोनों लंबे समय से इस नेटवर्क के जरिए चोरी की वारदातों को अंजाम दे रहे थे।

अमर क्रांतिकारी चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि एवं कोटि-कोटि नमन। मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए उनका अद्वितीय साहस, अटूट संकल्प और सर्वोच्च बलिदान भारतीय स्वाधीनता संग्राम के इतिहास में स्वर्णाक्षरों में अंकित है।
रक्षा मंत्री-राजनाथ सिंह

इंदौर में ईवी चार्जिंग से ही लगी थी आग; बच्चे-गर्भवती सहित 8 लोग जिंदा जले थे

बिजली कंपनी का दावा: ओवरचार्जिंग से बैटरी बम की तरह फटी

न्यूज क्राइम फाइल

इंदौर में हुए ईवी हादसे को लेकर बिजली कंपनी ने अपनी जांच रिपोर्ट तैयार कर ली है। हालांकि इसे अभी आधिकारिक रूप से जारी नहीं किया गया है। शुरुआती रिपोर्ट में दावा किया गया है कि आग की शुरुआत घर में लगे ईवी चार्जिंग पॉइंट से हुई थी। जानकारी यह भी सामने आई है कि घर के लिए 15 किलोवॉट का लोड स्वीकृत था, जबकि असल में 2 से 9 किलोवॉट तक ही बिजली का उपयोग हो रहा था। ऐसे में कार चार्जिंग के दौरान ओवरहीटिंग की संभावना कम बताई जा रही है। सूत्रों के मुताबिक, इस मामले में जिम्मेदारी से बचने के लिए कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी अपने अधीनस्थ कर्मचारियों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

स्मार्ट मीटर के डेटा में देर रात ईवी चार्जिंग की पुष्टि

बिजली कंपनी के अधिकारियों के अनुसार, अब तक की जांच में सामने आया है कि ओवरचार्जिंग के कारण इलेक्ट्रिक कार की बैटरी बम की तरह फट गई। घटना के समय कार चार्जिंग पर लगी हुई थी, जिसकी पुष्टि स्मार्ट मीटर के डिजिटल डेटा से हुई है। कंपनी ने पिछले तीन महीनों का मिनट-टू-मिनट डेटा निकालकर यह रिपोर्ट तैयार की है। शुक्रवार को बिजली कंपनी के कार्यपालन यंत्री डीके

तिवारी, फायर सेफ्टी विशेषज्ञ विद्या फूलमानी, उपमन्यु साहू और टीआई मनीष लोधा की टीम ने देर रात तक जांच की और रिपोर्ट तैयार की। अधिकारियों के मुताबिक, कार रोज रात 11 बजे से सुबह 3 बजे तक चार्जिंग पर रहती थी। हादसे वाली रात भी यही क्रम रहा। बताया गया कि तड़के चार्जिंग के दौरान कार में पावर ऑटो कट-ऑफ हुआ, लेकिन करीब आधे घंटे बाद फिर से चार्जिंग शुरू हो गई। इसके बाद जोरदार ब्लास्ट हो गया।

लोड 2 किलोवॉट से बढ़कर 9 किलोवॉट तक पहुंचा

बिजली कंपनी की रिपोर्ट में बताया गया है कि हादसे वाली रात एमपी 09 डीक्यू 0509 नंबर की इलेक्ट्रिक कार चार्जिंग पर लगी हुई थी। रिपोर्ट के अनुसार, मनोज पुगलिया के घर पर 15 किलोवॉट का स्वीकृत लोड था। एसी, पंखे और फ्रिज की सामान्य खपत के बाद जैसे ही कार चार्जिंग शुरू होती थी, कुल बिजली लोड 2 किलोवॉट से बढ़कर करीब 9 किलोवॉट तक पहुंच जाता था। कंपनी के मुताबिक, स्मार्ट मीटर हर 15 मिनट में बिजली खपत की पूरी जानकारी कंट्रोल रूम तक ऑनलाइन भेजता रहा। जांच के दौरान पिछले तीन महीनों की खपत का विस्तृत डेटा देखा गया। साथ ही, मीटर रीडर इंस्ट्रूमेंट (एमआरआई) के जरिए मिनट-टू-मिनट डेटा का भी मिलान किया गया।

रहवासी बोले- आग तो 3 बजे ही लग गई थी

मनोज पुगलिया के घर के सामने रहने वाले अभिषेक ने बताया कि रात करीब 3 से 3:15 बजे के बीच वह वॉशरूम जाने के लिए उठे थे। उसी दौरान उन्होंने देखा कि मनोज की टाटा पंच ईवी के बोनट से धुआं निकलना शुरू हो गया। लोगों को जगाया, फायर ब्रिगेड को दी सूचना अभिषेक ने तुरंत आसपास के लोगों को जगाया और फायर ब्रिगेड को सूचना दी। करीब 15-20 मिनट में आसपास के लोग मौके पर इकट्ठा हो गए, लेकिन फायर ब्रिगेड की ओर से तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। करीब एक घंटे बाद दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। रिपोर्ट और प्रत्यक्षदर्शी के बयान में अंतर अभिषेक के अनुसार, पूरा घटनाक्रम 3 से 3:15 बजे के बीच का है। वहीं, बिजली कंपनी की रिपोर्ट में दावा किया गया है कि रात 3:30 बजे बिजली सप्लाई दोबारा शुरू हुई और उसके कुछ ही देर बाद कार में विस्फोट हुआ।

पत्नी मायके में, पति ने कट्टे से अपनी गर्दन उड़ाई

फसल काटने के लिए पांच दिन पहले हैदराबाद से भिंड लौटा था

न्यूज क्राइम फाइल

भिंड में 35 साल के युवक ने कट्टे से फायर कर अपनी गर्दन उड़ा ली। गोली की आवाज सुनकर दूसरे कमरे में मौजूद मां और भाई उसके पास पहुंचे तो वह लहूलुहान हालत में पड़ा था। उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मामला देहाता थाना क्षेत्र का है। पुलिस के मुताबिक, घटना कुसमरा गांव में शुक्रवार रात की है। मृतक का नाम रवि शाक्य था। वह हैदराबाद में किसी होटल में काम करता था। पांच दिन पहले ही वहां से फसल काटने के लिए लौटा था। भाई मुकेश ने बताया कि शुक्रवार दोपहर वह मेरे साथ फसल काटने गया था। वहां से लौटने के बाद अपने कमरे में चला गया। इसके बाद रात में गोली चलने की आवाज आई।

अपनी बहन की सगाई में गई थी पत्नी

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कमरा खुला हुआ था। मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। युवक हैदराबाद में खाना डिलीवर करने का काम करता था। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है। शुरुआती जांच में पुलिस इसे आत्महत्या मान रही है।

पुलिस के अनुसार, अभी रवि के आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चला है। रवि शादीशुदा था। उसका एक बेटा भी था। करीब एक माह पहले उसकी साली की सगाई हुई थी, इसलिए उसकी पत्नी मायके में थी। घटना की खबर मिलते ही वह ससुराल लौट आई।

नरेंद्र फ्सरेंडरफ् मोदी, आपको US Trade Deal रद्द करने की चुनौती दिए हुए 24 घंटे से ज़्यादा हो गए - आप फिर खामोशी से हुड़हुड़द्दा निकल गए।

नेता प्रतिपक्ष-राहुल गांधी

22 घंटे की रिहाई के बाद एनएसए में दोबारा जेल भेजा गया; नई पहचान बंदी नंबर 500

हाई-प्रोटीन डाइट शौकीन असलम का जेल में वजन घटा...

न्यूज क्राइम फाइल

भोपाल नगर निगम के स्लॉटर हाउस से निकले मांस में गोमांस की पुष्टि के बाद गिरफ्तार असलम कुरैशी उर्फ चमड़ा को 70 दिन बाद सेशन कोर्ट से जमानत मिलने के बाद बुधवार 18 मार्च रात उसकी रिहाई हो गई। हालांकि, जेल से निकलते ही उसे दोबारा गिरफ्तार कर लिया गया। गुरुवार 19 मार्च को रिहाई के महज 22 घंटे बाद असलम चमड़ा के खिलाफ एनएसए के तहत कार्रवाई की गई और दोबारा जेल में दाखिल कर दिया गया। लग्जरी लाइफ और हाई-प्रोटीन डाइट लेने वाले असलम का जेल में रहने के दौरान चार किलो वजन कम हो गया है। इसकी पुष्टि जेल में दर्ज उसके रिकॉर्ड से हुई है। 8 जनवरी 2026 को जब उसे जेल में दाखिल किया गया था, तब उसका वजन 65 किलो था। गुरुवार को दोबारा जेल में दाखिल किए जाने के बाद नए सिरे से उसका रिकॉर्ड तैयार किया गया। तब उसका वजन 61 किलो निकला। एनएसए की कार्रवाई के बाद असलम को जेल में नई पहचान विचाराधीन बंदी नंबर 500/26 के रूप में मिली है। सुरक्षा कारणों के चलते उसे जेल के 'बी' खंड स्थित बिल्डिंग सेंटर में रखा गया है।

मंत्री और विधायक बोले- गौ हत्या करने वालों को नहीं छोड़ा जाएगा

असलम चमड़े पर कार्रवाई को लेकर मंत्री विश्वास सारंग ने कहा कि गौ हत्यारों को बख्शा नहीं जाएगा। मध्यप्रदेश में मोहन यादव की सरकार है। ऐसे गौ हत्यारे, जिन्होंने गौ माता की हत्या की है, उन्हें नहीं छोड़ा जाएगा। असलम चमड़े पर रासुका के तहत कार्रवाई हुई है और आगे भी सख्त कार्रवाई की जाएगी। विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि असलम चमड़े के साथ और भी जितने चमड़े हैं, उनके भी चमड़े उधेड़े जाएंगे। अभी तो एनएसए लगा है, आगे और भी कार्रवाई बाकी है। असलम चमड़े ने जो पाप किया है, उसे उसकी सौ पीढ़ियां भी नहीं धो पाएंगी। डॉ. मोहन यादव की मध्यप्रदेश सरकार गौ माता की रक्षा के लिए समर्पित है।

जेल से निकलते ही उठा ले गई थी पुलिस

बुधवार रात करीब 10 बजे भोपाल सेंट्रल जेल के मुख्य द्वार से असलम के निकलते ही पुलिस टीम ने उसे गिरफ्तार किया था। लाल रंग की पोलो कार से उसे जेल परिसर से बाहर निकाला गया। इस कार का एक वीडियो भी सामने आया है। पहले उसे परवलिया सड़क फिर सीहोर रोड ले जाया गया। इसके बाद देर रात उसे थाने लेकर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई की। इधर गोमांस तस्करी से जुड़े पूरे मामले का खुलासा करने का दावा करने वाले भानू हिंदू का आरोप है कि पुलिस की ओर से कमजोर चार्जशीट कोर्ट में दाखिल की गई थी। इन्हीं खामियों का फायदा असलम को बेल मिलने में मिला। भानू के मुताबिक, पुलिस ने केस की शुरुआत से ही लापरवाही की थी। गोमांस से भरे कंटेनर को छोड़ दिया गया था। हैदराबाद जिस सैंपल को जाना था, वह खराब हो गया। मथुरा से आई सैंपल रिपोर्ट के आधार पर उसकी गिरफ्तारी की गई थी।

जानिए कोर्ट ने जमानत आदेश में क्या कहा?

अदालत ने बुधवार को अपने आदेश में कहा कि संबंधित अपराध न तो मृत्युदंड और न ही आजीवन कारावास से दंडनीय है और यह न्यायिक मजिस्ट्रेट द्वारा विचारणीय है। आरोपी दो माह से अधिक समय से अभिरक्षा में है, जबकि मामले की विवेचना पूरी हो चुकी है और चार्जशीट भी प्रस्तुत की जा चुकी है। ऐसे में ट्रायल पूरा होने में समय लगने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता, इसलिए जमानत देना उचित है। कोर्ट ने यह भी उल्लेख किया कि आरोपी का यह दूसरा जमानत आवेदन था। पहला आवेदन गुण-दोष के आधार पर निरस्त नहीं हुआ था। अब परिस्थितियों में बदलाव और जांच पूरी होने के बाद जमानत दी गई। साथ ही शर्त रखी गई है कि आरोपी ट्रायल में कोई बाधा नहीं डालेगा और बिना अनुमति देश से बाहर नहीं जाएगा।

इन शर्तों पर बाहर आया असलम

असलम की तरफ से वकील विजय चौधरी और जगदीश गुप्ता ने कोर्ट में पक्ष रखा। कोर्ट ने जमानत देते हुए कुछ शर्तें भी रखीं। वह केस की सुनवाई में कोई रुकावट नहीं डालेगा। बिना कोर्ट की इजाजत के वह देश छोड़कर बाहर नहीं जा सकेगा। सुनवाई के दौरान वह बार-बार तारीखें आगे बढ़ाने (स्थगन) की मांग नहीं करेगा।

17 दिसंबर की रात पकड़ा गया 26 टन मांस

17 दिसंबर की रात हिंदू संगठनों ने पुलिस कंट्रोल रूम के पास एक कंटेनर पकड़ा था, जो जिंसी स्लॉटर हाउस से निकला था। इसमें 26 टन मांस भरा था। जब इस मांस के सैंपल मथुरा की लैब भेजे गए, तो वहां से आई रिपोर्ट में इसमें गोमांस होने की बात सामने आई। रिपोर्ट आने के बाद 8 जनवरी 2026 को जहांगीराबाद पुलिस ने केस दर्ज कर असलम और ड्राइवर शोएब को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने निकाली थी निगम-पुलिस की अर्थी

असलम चमड़ा को जमानत मिलने के बाद गुरुवार को बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने पुलिस कमिश्नर कार्यालय के सामने प्रदर्शन करते हुए नगर निगम और पुलिस प्रशासन की सांकेतिक अर्थी निकाली थी और पुतला दहन किया था। इस दौरान मौके पर जमकर नारेबाजी की हुई थी।

नरसिंहपुर में सोना दोगुना करने के नाम पर महिला से ठगी

न्यूज क्राइम फाइल

नरसिंहपुर जिले में सोना दोगुना करने का झांसा देकर एक महिला से लाखों रुपए के जेवरात और नकदी ठगने का मामला सामने आया है। घटना शहर के छिंदवाड़ा बायपास क्षेत्र की बताई जा रही है। स्टेशनगंज थाने में दर्ज शिकायत के अनुसार, बांसकुंवारी रोड हाईवे के पास रहने वाली महिला रजनी विश्वकर्मा (50) अपनी मां के साथ रहती हैं। उनके परिवार के अन्य सदस्य बाहर रहते हैं। पीड़िता ने बताया कि पड़ोस में रहने वाले अजय मेहरा उर्फ अज्जू ने उन्हें एक कथित बाबा का मोबाइल नंबर दिया था और उससे संपर्क करने की सलाह दी। जब रजनी ने उस नंबर पर बात की, तो सामने वाले व्यक्ति ने खुद को मुल्ला अजमेर बताया। उसने तंत्र-मंत्र के जरिए सोना दोगुना करने का झांसा दिया और महिला को विश्वास में लिया कि एक विशेष प्रक्रिया से उनका सोना दोगुना किया जा सकता है। ठग के निर्देशों पर महिला ने अपने लगभग 10 तोला सोने के जेवर जिसमें चेन, झुमकी, अंगूठियां, चूड़ियां, हार और पायल शामिल थे। लगभग 60 हजार रुपये नकद और अपना मोबाइल फोन एक लाल कपड़े में बांधा। यह सारा सामान उसने घर के पास स्थित एक खाली प्लॉट में रख दिया। ठग ने उसे सामान रखने के बाद पीछे मुड़कर न देखने और एक घंटे बाद वापस आने का सख्त निर्देश दिया था। तय समय के बाद जब महिला वापस प्लॉट पर पहुंची, तो वहां से सारा सामान गायब था। तब उसे ठगी का एहसास हुआ और उसने तत्काल स्टेशनगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई।

देवास विधानसभा क्षेत्र की विधायक, बहन श्रीमती गायत्री राजे पवार जी की सुपुत्री के विवाह समारोह में सहभागिता कर नवदम्पति सुखमय एवं समृद्ध वैवाहिक जीवन की मंगलकामनाएँ प्रेषित कीं।
डिप्टी सीएम मप्र- जगदीश देवड़ा

एक भी महिला पदाधिकारी नहीं; शिवराज सिंह के चचेरे भाई बने उपाध्यक्ष

बीजेपी ओबीसी मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी घोषित

न्यूज क्राइम फाइल

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल की सहमति से पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार ने नई प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा कर दी है। इस सूची में अनुभवी और नए चेहरों का संतुलन बनाया गया है। इनमें भोपाल नगर निगम के पूर्व अध्यक्ष और केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के चचेरे भाई सुरजीत सिंह चौहान उपाध्यक्ष बनाए गए हैं। खास बात ये है कि बीजेपी में 33 प्रतिशत महिला आरक्षण के दावे के उलट ओबीसी मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी में एक भी महिला को पदाधिकारी नहीं बनाया गया।

मन की बात सह प्रभारी- धनेश धनंजय

सरकारी योजनाओं के प्रचार के लिए भी प्रभारी बनाए बीजेपी ओबीसी मोर्चा की प्रदेश कार्यकारिणी में शासकीय योजनाओं के प्रचार-प्रसार के लिए भी प्रभारी और सह प्रभारी नियुक्त किए गए हैं। शासकीय योजना प्रचार-प्रसार प्रभारी हेमन्त महाला और आशीष सोनी को सह प्रभारी बनाया गया है। वहीं निलेश कौशल को प्रशिक्षण प्रभारी और जयकिशोर चौधरी को सह प्रशिक्षण प्रभारी बनाया गया है।

आठ उपाध्यक्ष बनाए

जमना सेन
प्रकाश राठौर
संजय यादव
रणजीत सिंह सोंधिया
सुरजीत सिंह चौहान
उदय प्रताप सिंह
राम पटेल
सुरेन्द्र यादव

दो महामंत्री बनाए, एक पद होल्ड रखा

बीजेपी ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष पवन पाटीदार ने दो प्रदेश महामंत्री घोषित किए हैं, एक पद होल्ड रखा है। रविन्द्र लोधी और नरेन्द्र राठौर को प्रदेश महामंत्री बनाया गया है।

8 बने प्रदेश मंत्री
अतीत पवार
अनिल मण्डावरा
बलवंत भाटी
संतोष मालवीय
वीरेन्द्र धाकड़
राजू जायसवाल
भरत यादव
भगवान सिंह

कोषाध्यक्ष: दिलीप पाटीदार

दो सह कोषाध्यक्ष: प्रदीप राठौर, महेश मालवीय

01 कार्यालय मंत्री: कमलेश सोलंकी

दो सह कार्यालय मंत्री: विनोद राठौर, जितेन्द्र विश्वकर्मा

मीडिया प्रभारी: दीपक साहू
सह मीडिया प्रभारी: राजेन्द्र नामदेव
सोशल मीडिया प्रभारी: राहुल सेन
सह सोशल मीडिया प्रभारी: योगेश पटेल
आई.टी. प्रभारी: निलेश प्रजापति
सह आई.टी. प्रभारी: जीतू यादव
मन की बात प्रभारी: ऋषि यादव

कांग्रेस में अलग राह पर पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंहः चंबल के बाद अब बुंदेलखंड में घर-घर घूम रहे, तीन साल माला नहीं पहनेंगे

न्यूज क्राइम फाइल

एमपी में विधानसभा चुनाव में पौने तीन साल बाकी हैं। लेकिन, कांग्रेस में पावर की रेस तेज है। पीसीसी चीफ जीतू पटवारी कई नेताओं को मंत्री, उपमुख्यमंत्री बनाने की बात कह चुके हैं। तो कई मंचों से आदिवासी सीएम बनाने की मांग भी उठ चुकी है। अब पूर्व नेता प्रतिपक्ष और सीधी जिले की चुरहट सीट से सात बार के कांग्रेस विधायक अजय सिंह राहुल प्रदेश भर में दौरे पर निकले हैं। अजय सिंह ने पिछले महीने चार दिनों तक चंबल का दौरा किया। अब वे बुन्देलखंड के दौरा करके पुराने कांग्रेसियों से मिल रहे हैं।

विंध्य को छोड़कर दूसरे क्षेत्रों में सक्रियता बढ़ा रहे

अजय सिंह के पिता अर्जुन सिंह मप्र के मुख्यमंत्री और केन्द्र सरकार में मंत्री के साथ ही राज्यपाल भी रहे हैं। अजय सिंह भी मप्र सरकार में मंत्री और नेता प्रतिपक्ष रह चुके हैं। अब वे अपने विंध्य क्षेत्र के अलावा दूसरे क्षेत्रों में सक्रियता बढ़ा रहे हैं। दौरों में अजय सिंह के बयान साफ बता रहे हैं कि वे अपनी जगह खुद बना रहे हैं। और चुनाव के पहले विंध्य क्षेत्र तक सीमित न रहकर पूरे प्रदेश में अपनी टीम बनाने में जुटे हैं।

7 बार का विधायक, मेरे पास कोई काम नहीं

16 मार्च को बुन्देलखंड के दौरे पर निकले अजय सिंह ने ओरछा में रामराजा सरकार के दर्शन किए। इसके बाद वे निवाड़ी पहुंचे। यहां मीडिया से चर्चा में उन्होंने कहा- मैं फुर्सत में हूंज सात बार का विधायक हूं, ज्यादा काम धाम हैज नहीं तो सोचा यही करूं। अजय सिंह ने निवाड़ी में कहा कि जो कांग्रेसी घर में बैठे है उन्हें जोड़ने के लिए मैं यह यात्रा कर रहा हूं।

अर्जुन सिंह से जुड़े कांग्रेसियों से मिल रहे

अजय सिंह राहुल अपने पिता और स्वर्गीय अर्जुन सिंह से जुड़े पुराने कांग्रेसियों से मिल रहे हैं। मंचीय कार्यक्रमों के बजाए वे सिर्फ जिला कांग्रेस कार्यालय में कार्यकर्ताओं से मेल-मुलाकातें कर रहे हैं और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के घर जाकर मिल रहे हैं।

चंबल में चार दिन घूमे

अजय सिंह राहुल बीते फरवरी के महीने में 11 से 15 फरवरी तक चंबल अंचल में घूमे। ग्वालियर से लेकर मुरैना, भिंड और दतिया जिले में वे पुराने कांग्रेसियों से मिले। लहार में डॉ. गोविन्द सिंह के निवास पर मीडिया से अजय सिंह ने कहा मैं प्रदेश की प्रत्येक उस विधानसभा में जाकर संपर्क करूंगा, जहां हमारे कार्यकर्ता शांत बैठे हैं या जागरुक नहीं है। सभी से मिलकर उनको जागरुक करूंगा। किन्ही कारणों से घर बैठे वरिष्ट नेताओं से मिलकर रणनीति सीखने और समझने का प्रयास करूंगा।

अजय सिंह ने 14 फरवरी को लहार में कहा-

प्रत्येक नेता का अपना एक क्षेत्र होता है। अगर कोई ग्वालियर-चंबल का है तो वह विंध्य में नहीं जाता और अगर कोई मालवा का है, तो वह चंबल में नहीं जाता। भिंड में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अजय सिंह ने कहा- सिंधिया के कारण ही कांग्रेस के हाथ से सत्ता गई। यह जनता के विश्वास के साथ धोखा था, जिसे प्रदेश की जनता कभी नहीं भूलेगी। भिंड में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान अजय सिंह ने कहा- सिंधिया के कारण ही कांग्रेस के हाथ से सत्ता गई। यह जनता के विश्वास के साथ धोखा था, जिसे प्रदेश की जनता कभी नहीं भूलेगी। अब सियासी समीकरण भी समझिए अजय सिंह राहुल ने प्रदेश के दौरे की शुरुआत चंबल अंचल से की।

इंटीग्रेटेड फार्मिंग वही खेत, वही मेहनत
लेकिन कमाई कई गुना ज्यादा।
किसान की आय बढ़ाने का स्मार्ट मॉडल।
शिवराज सिंह चौहान-केंद्रीय कृषि मंत्री

पुलिस की गाड़ियां तोड़ीं, आरोप- गोतस्करों ने ट्रक से कुचला; ट्रक ड्राइवर की भी मौत

मथुरा में साधु की मौत पर हंगामा, पथराव

न्यूज क्राइम फाइल

मथुरा में साधु चंद्रशेखर सिंह (45) की ट्रक से कुचलकर मौत हो गई। वह 'फरसा वाले बाबा' के नाम से मशहूर थे। घटना के बाद जमकर हंगामा हुआ। गुस्साए लोगों ने बाबा का शव रखकर हाईवे जाम कर दिया। बाबा के एक साथी ने दावा किया- शनिवार तड़के बाबा 2 साथियों के साथ ट्रक का पीछा कर रहे थे। ट्रक में गोवंश होने की सूचना थी। ट्रक को ओवरटेक कर बाबा ने सामने बाइक खड़ी कर दी। तभी अचानक ड्राइवर ने रफ्तार बढ़ा दी और बाबा को कुचलते हुए भाग गया। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, हादसे के बाद एक वीडियो भी सामने आया है। इसमें बाबा जमीन पर पड़े हैं और उनके पास म्यान के साथ एक तलवार भी पड़ी है। जबकि, राजस्थान नंबर का ट्रक के आगे का हिस्सा डैमेज दिख रहा है। हालांकि, पुलिस का कहना है कि शक के आधार पर बाबा नगालैंड नंबर के ट्रक को रोककर चेकिंग कर रहे थे। सुबह कोहरा होने की वजह से पीछे से आ रहे राजस्थान नंबर के ट्रक ने खड़े ट्रक को टक्कर मार दी। बाबा इसकी चपेट में आ गए। वहीं, राजस्थान का ट्रक

चालक भी घायल हो गया। इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। छठ्ठल शैलेश पांडे ने साफ किया कि ट्रकों में कोई गोवंश नहीं था। दरअसल, बाबा की मौत कोसीकलां के कोटवन थाना क्षेत्र में हुई। घटना की जानकारी इलाके में आग की तरह फैली। देखते-ही-देखते हजारों की भीड़ छाता थाना क्षेत्र में दिल्ली-मथुरा हाईवे पर जमा हो गई। उन्होंने बाबा का शव रखकर हाईवे जाम कर दिया। आरोपियों के एनकाउंटर की मांग करने लगे। शव कब्जे में लेने और जाम खुलवाने पहुंची पुलिस को लोगों ने खदेड़ दिया। पथराव भी किया, जिसमें कुछ पुलिसकर्मी लहूलुहान हो गए। लोगों ने पुलिस की 5 से 6 गाड़ियों में तोड़फोड़ की। शीशे तोड़ दिए। इस दौरान फायरिंग भी हुई। हालात बेकाबू होते देख पुलिस ने लाठीचार्ज कर दिया। आंसू गैस के गोले छोड़े। इस बीच, लोग बाबा का शव लेकर आजनौंख गांव में स्थित गोशाला पहुंचे। प्रशासन के सामने बाबा का स्मारक बनाने समेत 6 मांगें रखीं। डीएम ने आश्वासन दिया कि बाबा के दाह संस्कार वाली जगह पर समाधिस्थल बनवाया जाएगा। इसके बाद बाबा का अंतिम संस्कार किया। ष्टरू योगी ने भी मामले का संज्ञान लिया। अफसरों को सख्त कार्रवाई करने का निर्देश देते हुए कहा- आरोपियों को बख्शा नहीं जाएगा।

साथी बोले- गोतस्करों का पीछा कर रहे थे, ट्रक से कुचलकर मार डाला

पहली थ्योरी बाबा के साथियों और शिष्यों ने बताई। उनके मुताबिक, बरसाना के आजनौंख गांव में गोशाला चलाने वाले फरसा वाले बाबा को सूचना मिली कि कोसी में नेशनल हाईवे पर एक ट्रक में गोवंश को भरकर ले जाए जा रहे हैं। इस पर बाबा दो शिष्यों के साथ बाइक से निकल गए। वह जब कोसी में नेशनल हाईवे पर बठन गेट इलाके में पहुंचे तो वहां गोवंश ले जाता ट्रक दिखाई दिया। बाबा ने जब ट्रक को रुकवाने का प्रयास किया तो गोतस्करों ने ट्रक की रफ्तार बढ़ा दी। करीब 7 किलोमीटर पीछा कर बाबा कोटवन चौकी क्षेत्र स्थित नवीपुर गांव पर पहुंचे।

ममता बोलीं- मोदी सबसे बड़े घुसपैठिए: बंगाल में अघोषित राष्ट्रपति शासन लगाया; केरल सीएम ने राहुल और कांग्रेस को भाजपा की बी टीम बताया

न्यूज क्राइम फाइल

पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने शनिवार को पीएम नरेंद्र मोदी को सबसे बड़ा घुसपैठिया बताया। उन्होंने कहा- जब आप विदेश जाते हैं तो नेताओं से हाथ मिलाते हैं और दोस्ती की बात करते हैं। लेकिन जब आप भारत लौटते हैं तो अचानक हिंदू-मुस्लिम नैरेटिव शुरू हो जाता है और लोगों को घुसपैठिया कहा जाता है। कोलकाता की रेड रोड पर ईद की नमाज के बाद नमाजियों को संबोधित करते हुए ञस्ष्ट सुप्रीमो ने कहा, फिर आप नाम हटाने और लोगों को घुसपैठिया बताने की बात करते हैं। मैं कहूंगी, आप बड़े घुसपैठिए हैं। उन्होंने कहा, आपने हमारी सरकार पर कब्जा कर लिया है और अनऑफिशियल प्रेसिडेंट रूल लगा दिया है। लेकिन हम डरेंगे नहीं। जो लोग

बंगाल को निशाना बना रहे हैं और लोगों को बांटने की कोशिश कर रहे हैं, उन्हें जहन्नुम में जाना चाहिए।

केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने राहुल गांधी और कांग्रेस पर आरोप लगाया कि वे भाजपा की बी-टीम की तरह काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को बात समझने में दिक्कत होती है। राहुल ने कहा था कि देश के बाकी विपक्षी नेताओं को केंद्रीय एजेंसियां बुला रही हैं या गिरफ्तार कर रही हैं, लेकिन केरल के मुख्यमंत्री के साथ ऐसा नहीं हो रहा।

बारानगर में बीजेपी टीएमसी समर्थकों की झड़प

पश्चिम बंगाल के बारानगर में बीजेपी और टीएमसी समर्थकों के बीच पोस्टर फाड़ने को लेकर झड़प हो गई। दोनों पक्षों के सैकड़ों लोग आमने-सामने आ गए, जिससे इलाके में तनाव फैल गया। घटना के दौरान दोनों पार्टियों के उम्मीदवार भी मौजूद थे। दोनों ने एक-दूसरे पर हिंसा और माहौल खराब करने के आरोप लगाए और अपने समर्थकों पर हमले का दावा किया। पुलिस और केंद्रीय बलों को हालात काबू करने में काफी मेहनत करनी पड़ी। करीब एक घंटे बाद भीड़ हटाई गई, लेकिन इस दौरान इलाके में ट्रैफिक जाम लग गया। इंडियन सेक्युलर फ्रंट ने ऐलान किया है कि वह पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में 33 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेगी।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक उदय प्रताप सिंह चौहान द्वारा कविता ऑफसेट प्रिंटर्स, एमपी नगर जोन -1 भोपाल (म. प्र.) से मुद्रित एवं 1209 पुष्पा नगर चांदबड़, भोपाल (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- उदय प्रताप सिंह चौहान, मो.7223003441 (प्रति सोमवार को प्रकाशित) समाचारों से संपादक का सहमत होना जरूरी नहीं। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा।) RNI.NO MPHIN/2015/63623